मुख्य परीक्षा

प्रश्न- भारत में जनजातीय समस्या के विभिन्न पहलुओं को उजागर करें तथा उनके समाधान हेतु 'पंचशील सिद्धान्त' का आलोचनात्मक परीक्षण करें। (200 शब्द)

Reveal the different aspects of Tribal Problems in India and Critically examine the 'Panchsheel Principles' for its solution. (200 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल करना चाहिए-

- आधुनिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक मानदण्डों के आधार पर गुणात्मक रूप से वह पिछड़े वर्ग जो प्रायः वनांचलों तथा पर्वतीय क्षेत्रों में निवास करते हैं तथा जिनकी अपनी विशिष्ट भाषा, रहन-सहन व संस्कृति है, जनजाति कहलाते हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद-366 के अनुसार कोई भी जनजाति या जनजातीय समुदाय जिसे राष्ट्रपति अनुच्छेद-342 के तहत अनुसूचित करता है, अनुसूचित जनजाति कहलाते हैं।

जनजातियों की समस्याएं :

- प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण की समस्या।
- विस्थापन एवं पूर्वावास की समस्या।
- स्वास्थ्य एवं कुपोषण।
- पहचान, लैंगिक तथा शिक्षा की।
- सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन की समस्या।
- धर्मान्तरण की समस्या इत्यादि।
- विलोपन की समस्या

पंचशील सिद्धान्त :

- जनजातियों का विकास उनकी प्रकृति के अनुसार तथा उन पर कुछ भी थोपा न जाए।
- भूमि एवं वनों पर जनजातियों के अधिकारों को मान्यता दी जाए।
- जनजातीय क्षेत्रों के विकास एवं प्रशासन हेतु बाहरी लोगों का उपयोग कम से कम किया जाए।
- जनजातीय विकास का मूल्यांकन गुणात्मक अर्थों में किया जाए।

आलोचनात्मक परीक्षण :

- यह सिद्धान्त जनजातीय समस्या का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है।
- यह सिद्धान्त ऐतिहासिक प्रवृत्तियों के अनुरूप है।
- यह सिद्धान्त अपने आदर्शों के साथ विकास विरोधी प्रतीत होता है।
- इसमें जनजातियों के सुरक्षा तथा पूनर्वास के ठोस सिद्धान्तों का अभाव है।
- वन क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण तथा दोहन बढ़ा है।
- जनजातीय क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण बढ़ा है, जैसे 'जारवा' जनजाति इत्यादि।

अंतः में संक्षिप्त सकारात्मक निष्कर्ष दें।